भारत और अर्न्तराष्ट्रीय सम्बन्ध

सम्पादक

डॉ. विजय कुमार वर्मा

कावेरी बुक्स

नई दिल्ली - 110002

© सम्पादक

ISBN : 978-81-7479-234-1
प्रथम संस्करण 2021

All rights reserved. No part of this publication may be reproduced, stored in a retrieval system, or transmitted in any form or by any means, electronic, mechanical, photocopy, recording, or otherwise, without the prior permission of the Editor and Publisher.

प्रकाशक
कावेरी बुक्स
4832/24, अंसारी रोड, दरिया गंज,
नई दिल्ली - 110 002 (भारत)
फोन : 011-2328 8140, 4707 2321
ई-मेल : info@kaveribooks.com
kaveribooks@gmail.com
वेबसाईट : www.kaveribooks.com

टाईप सेटिंग : क्रियेटिव ग्राफिक्स, दिल्ली

भारत में मुद्रित

9

भारत और भूटान संबंध : रणनीतिक परिप्रेक्ष्य

डॉ. विकास कुमार *

दक्षिण एशियाई क्षेत्र में स्थित भूटान हिमालय में मौजूद एक छोटा सा पर्वतीय देश है जो भारत और चीन के भूभाग से घिरा हुआ है। भूटान की अपनी संस्कृति कुछ ऐसी है कि भारत के साथ संबंधो को आगे बढ़ाने में यह एक सेतु का काम करता है। यह भूटान ही नहीं बल्कि दक्षिण एशिया के समस्त देश इस तरह की भूमिका निभाने में तत्पर है। अपने अहिंसक, दृढ़ और समृद्ध पड़ोस के उद्देश्य से भारत ने अपने पड़ोसी देशों के साथ खुले और बेहतर राजनीतिक, आर्थिक व सांस्कृतिक संबंधो को सर्वोच्च प्राथमिकता देना जारी रखा है। भारत की अपनी विदेश नीति वैश्वीकृत और परस्पर निर्भर विश्व में राष्ट्रीय हित तथा सुरक्षा को प्रोत्साहित करने को समर्पित है।

पारम्परिक रूप से भारत और भूटान के बीच बहुत मधुर संबंध रहे है। भूटान आधिकारिक रूप से बौद्ध धर्मावलंबी देश रहा है और इसी लिए भारत और भूटान के बीच यह एक सेतु की तरह कार्य करता है। भूटान में आज जो बौद्ध धर्म उपस्थित है उसमें ऐतिहासिक रूप से भारत का ही सहयोग अधिक रहा है। भारत से ही भूटान में गुरु पदम्सम्भाव के द्वारा बौद्ध धर्म भूटान में फैला और इसी तरह का जुड़ाव भारत और भूटान के बीच सांस्कृतिक कूटनीति का आधार बना। जिसके द्वारा भूटान देश भारत के ज्यादा करीब रह पाता है। अत: भारत और भूटान के बीच जिस तरह के द्विपक्षीय संबंधो संबंधी मुद्दे उभरे हैं, उसका वर्तमान स्थिति को देखते हुए मूल्यांकन किया जाना बहुत आवश्यक है। भारत ने भूटान की समय-समय पर खूब सहायता की है और इसे आगे भी जारी रखता रहा है। एक समय था जब भूटान विश्व की राजनीति से अलग-थलग रहना चाहता था। वह नहीं चाहता था कि बाहरी दुनिया के क्रियाकलापों में अपना कोई स्थान बनाये। लेकिन उत्तरोत्तर

* Assistant Professor (SOL), Delhi I University, Delhi.